सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

# जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 28 FEBRUARY TO 06 MARCH 2025 • VOLUME 32 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

**प्रेरणा**

"जो व्यक्ति अपने काम से संतुष्ट होता है, वही असली खुशबू है।"

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

# पंजाब कैबिनेट ने नई आबकारी नीति 2025-26 को दी मंजूरी

## मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले

**नई आबकारी नीति में बीते साल की तुलना में 8.61 प्रतिशत की वृद्धि करके 11020 करोड़ रुपए का आबकारी राजस्व इकट्ठा करने का लक्ष्य**

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025-26 के लिए आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। इस नीति का उद्देश्य वर्ष 2025-26 के दौरान 11020 करोड़ रुपए का आबकारी राजस्व इकट्ठा करना है जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 874.05 करोड़ रुपए (8.61 प्रतिशत) अधिक है। इस बारे में निर्णय गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उनके सरकारी निवास पर मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। इस घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2024-25 की आबकारी नीति के दौरान 10,145 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया था और राज्य सरकार ने अब तक 10,200 करोड़ रुपए का राजस्व इकट्ठा कर लिया है। मौजूदा सरकार के दौरान राज्य के आबकारी राजस्व में दृढ़ता से वृद्धि हो रही है क्योंकि पहली बार आबकारी राजस्व 10,000 करोड़ रुपए को पार कर चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अकाली-भाजपा सरकार के अंतिम वर्ष में आबकारी राजस्व केवल 4405 करोड़ रुपए था जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के अंतिम वर्ष के दौरान आबकारी से मात्र 6151 करोड़ रुपए का राजस्व इकट्ठा हुआ था।

नई नीति में वर्ष 2025-26 के लिए एल-2/एल-14ए रिटेल ठेकों की नई अलॉटमेंट ई-टेंडर के माध्यम से की जाएगी। वर्ष 2024-25 के लिए ग्रुप का आकार 40 करोड़ रखा गया है। अतिरिक्त राजस्व जुटाने और देसी शराब (पंजाब मीडियम लिकर) के कोटे में पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत की वृद्धि की

गई है जिससे देसी शराब का कोटा 8.534 करोड़ प्रूफ लीटर रखा गया है। आबकारी नीति, 2025-26 में देसी शराब की दरों में वृद्धि नहीं की गई। भारतीय सेना और सशस्त्र बलों को राहत देने के लिए उनके थोक लाइसेंस की लाइसेंस फीस 50 प्रतिशत घटा दी गई है।

पंजाब में पर्यटन को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए फार्म स्टे के लाइसेंस धारकों को शराब रखने की सीमा 12 क्वाट्र्स (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) से बढ़ाकर 36 क्वाट्र्स (आई.एम.एफ.एल.) कर दी गई है। इसके साथ ही बीयर, वाइन, जिन, वोडका, ब्रांडी, रेडी-टू-ड्रिंक और अन्य शराब उत्पाद रखने की सीमा में भी इसी प्रकार से वृद्धि की गई है।

वर्ष 2025-26 में उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव देने के लिए नगर निगम क्षेत्रों में रिटेल लाइसेंसधारकों के लिए प्रत्येक ग्रुप में एक मॉडल दुकान खोलना अनिवार्य बनाया गया है। अल्कोहल की कम मात्रा वाले शराब उत्पाद जैसे बीयर, वाइन, रेडी-टू-ड्रिंक की खपत को प्रोत्साहित करने के लिए स्टैंडअलोन (इकहरी) बीयर शॉप की फीस प्रति शॉप दो लाख रुपये से घटाकर 25000 रुपए प्रति शॉप कर दी गई है। नए निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए पंजाब में नया बॉटलिंग प्लांट स्थापित करने की अनुमति दे दी गई है।

### पंजाब तीर्थ यात्रा समिति के गठन को मंजूरी

विभिन्न विभागों के साथ तालमेल करके हवाई, रेल, सड़क आवागमन और अन्य संभावित तरीकों के माध्यम से पंजाबवासियों को आरामदायक तीर्थ यात्रा करवाने के उद्देश्य से कैबिनेट ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पंजाब तीर्थ यात्रा समिति के गठन को भी सहमति दे दी। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत की थी और रेलगाड़ी/बसों के माध्यम से लगभग 34 हजार श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा कर चुके हैं। पंजाब तीर्थ यात्रा समिति इस योजना के तहत यात्रा प्रबंधों को कुशल एवं सुचारू बनाने का कार्य देखेगी।

### पंजाब जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2025 में संशोधनों को मंजूरी

पंजाब में जन्म और मृत्यु की पंजीकरण के कार्य को सुचारू बनाने के लिए कैबिनेट ने पंजाब जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2025 में कई संशोधनों को मंजूरी दे दी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 2023 के रूप में किए गए संशोधन के मद्देनजर राज्य सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा भेजे जन्म और मृत्यु के मॉडल पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2024 के आधार पर पंजाब जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) नियम, 2025 तैयार किया है। इससे इस अधिनियम में एकरूपता आएगी।

### पंजाब राज्य एनआरआईज़ कमीशन की प्रशासनिक रिपोर्ट को मंजूरी

कैबिनेट ने पंजाब राज्य एनआरआईज़ कमीशन की वर्ष 2022-23 के लिए ऑडिट रिपोर्ट के साथ वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट को भी मंजूरी दे दी। कार्मिक विभाग में अधिकारी ऑन स्पेशल ड्यूटी (लिटिगेशन) के अस्थायी पद कायम रखने को भी मंजूरी दे दी।

# वक्फ बिल में 14 बदलावों को मंजूरी

## बजट सत्र के दूसरे चरण में संसद में पेश करने की तैयारी

**नई दिल्ली.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिल अब अगले संसद सत्र में पेश किया जाएगा, जो 10 मार्च से शुरू होगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई। वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय बंदरगाह विधेयक के साथ मंजूरी दे दी गई और इसे शेष बजट सत्र के लिए सरकार की प्राथमिकता सूची में जोड़ा गया है। कुल 66 संशोधन पेश किए गए - 23 सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों द्वारा और 44 विपक्ष द्वारा। लेकिन विपक्षी संशोधनों को पार्टी आधार पर खारिज कर दिया गया क्योंकि समिति में भाजपा या उसके सहयोगियों के 16 सांसद और विपक्ष के 10 सांसद हैं।

एक नया विवाद तब छिड़ गया जब विपक्षी

सांसदों ने दावा किया कि संसद में पेश की गई अंतिम जेपीसी रिपोर्ट से उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटा दिए गए हैं। सरकार ने जोर देकर कहा कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया, जेपीसी अध्यक्ष को समिति पर 'आक्षेप' लगाने वाले अनुभागों को हटाने का अधिकार था। लेकिन विपक्ष के दबाव में बाद में इस बात पर सहमति बनी कि असहमति नोट को उनके मूल स्वरूप में डाला जाएगा। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 ने वक्फ अधिनियम, 1995 में बड़े बदलाव पेश किए, जो भारत में मुस्लिम धर्मार्थ संपत्तियों के प्रशासन को नियंत्रित करता है।

# बैंस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र, सीबीएसई पाठ्यक्रम में पंजाबी को तुरंत शामिल करने की मांग की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार को गहरी निंद्रा से जागने के लिए आज फिर से सख्त रुख अपनाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(सीबीएसई) के पाठ्यक्रम में पंजाबी को दसवीं कक्षा के लिए मुख्य विषय के रूप में बहाल करने और पूरे देश में क्षेत्रीय भाषाओं की सूची में पंजाबी को शामिल करने की मांग की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देशभर के विद्यार्थी पंजाबी भाषा को पढ़ने का विकल्प चुन सकें।

स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर सीबीएसई द्वारा जारी दसवीं कक्षा (2025-26) की परीक्षा प्रणाली में पंजाबी को जानबूझकर नजरअंदाज करने पर कड़ा ऐतराज और गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार से तुरंत हस्तक्षेप कर इस गंभीर गलती को सुधारने की अपील की। पंजाब सरकार ने 26 फरवरी, 2025 को एक नोटिफिकेशन जारी कर प्रदेश के सभी स्कूलों में पंजाबी को अनिवार्य मुख्य विषय बना दिया था, चाहे वे किसी भी शैक्षिक बोर्ड से संबंधित हों। इस अधिसूचना के तहत, जो स्कूल पंजाबी को मुख्य विषय के रूप में नहीं पढ़ाएंगे, उनके स्कूलों के प्रमाणपत्रों को मान्यता नहीं दी जाएगी। अपने पत्र में हरजोत सिंह बैंस ने लिखा कि नए परीक्षा पैटर्न में केवल पांच मुख्य विषयों—गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी—को नियमित बोर्ड परीक्षाओं के लिए सूचीबद्ध किया गया है, जिससे पंजाबी को मुख्य विषयों की श्रेणी से हटा दिया गया है। इसके कारण अब पंजाबी भाषा की परीक्षा विदेशी भाषाओं के साथ एक ही दिन आयोजित होगी। उन्होंने इसे पंजाबी भाषा को खत्म करने की सोची-समझी साजिश करार दिया।

# नशा तस्करों के दो और अवैध घर गिराए गए

## पटियाला व रूपनगर में ड्रग माफिया के खिलाफ पंजाब पुलिस की कार्रवाई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

ड्रग माफिया पर शिकंजा कसते हुए पंजाब पुलिस ने गुरुवार को पटियाला और रूपनगर जिलों में स्थानीय प्रशासन की सहायता से दो नशा तस्करों के अवैध रूप से बनाए गए घरों को ध्वस्त कर दिया।

पटियाला में पुलिस टीमों ने कुख्यात और आदतन नशा तस्कर रिंकी, निवासी रोड़ी कुट मोहल्ला, पटियाला के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। कुख्यात नशा तस्कर रिंकी पर 2016 से 2024 के बीच एनडीपीएस एक्ट के तहत कम से कम 10 एफआईआर दर्ज थीं। एसएसपी डॉ. नानक सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा घर को गिराने के आदेश दिए गए थे।

इसी प्रकार रूपनगर में जिला पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सलीम मोहम्मद और उसकी पत्नी आशा के रूप में पहचाने गए नशा तस्करों के अवैध रूप से बने घर को गिरा दिया। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन और एसएसपी रूपनगर गुलनीत सिंह खुराना ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जिला रूपनगर में नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया है।

# एक्सियन पर आय से अधिक संपत्ति बनाने का आरोप, मामला दर्ज

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बठिंडा नगर निगम में म्युनिसिपल टाउन प्लानर (एमटीपी) के रूप में तैनात कार्यकारी अभियंता (एक्सियन) गुरप्रीत सिंह के खिलाफ ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। जांच में खुलासा हुआ कि गुरप्रीत सिंह ने कई संपत्तियाँ खरीदी हैं और विभिन्न बैंकों व डाकघरों में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में 1.83 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की हुई है, जो कि उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से 129% अधिक है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर विजिलेंस ब्यूरो ने थाना बठिंडा रेंज में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस केस के संबंध में आरोपी के घर की तलाशी ली गई है और उसे गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें भेजी गई हैं।

### रिश्वत मांगने के आरोप में होम गार्ड का वॉलंटियर गिरफ्तार

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने आज थाना सिटी-1, संगरूर में तैनात पंजाब होम गार्ड (पी.एच.जी.) वॉलंटियर मलकीत सिंह को पुलिस मुलाजिमों की ओर से 80,000 रुपये रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर दर्ज की गई एक शिकायत की जांच के बाद उक्त आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ विजीलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में मामला दर्ज किया गया है।

### 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए एएसआई पकड़ा

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने पटियाला के थाना अनाज मंडी में तैनात सहायक उप-निरीक्षक (ए.एस.आई.) रंजीत सिंह को 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि आरोपी एएसआई के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत विजीलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में मामला दर्ज कर लिया गया है।

### रिश्वत लेते नायब तहसीलदार का रीडर रंगे हाथों काबू

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत होशियारपुर के नायब तहसीलदार के रीडर के रूप में तैनात राजस्व विभाग के कर्मचारी आलोक को 8000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस संबंध में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत विजीलेंस ब्यूरो के थाना जालंधर रेंज में मामला दर्ज किया गया है।

# एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट

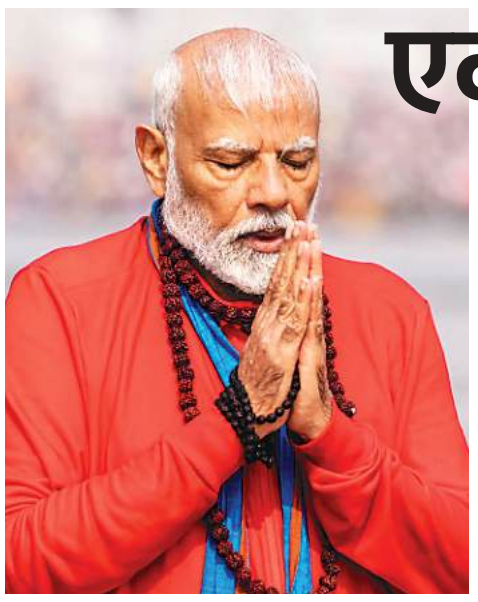

**(जालंधर ब्रीज).** महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा। बीते 45 दिन, प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था- संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है।

पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े...और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए। मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता...स्नान के

बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा।

और मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और

संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।

इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव-विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग त्रिवेणी तीर्थ अपने साथ लेकर गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव-गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है।

ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।

प्रयागराज में जितनी कल्पना की गई थी, उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचे। इसकी एक वजह ये भी थी कि प्रशासन ने भी पुराने कुंभ के अनुभवों को देखते हुए ही अंदाजा लगाया था। लेकिन अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई।

आध्यात्मिक क्षेत्र में रिसर्च करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है।

**(-पीएम नरेंद्र मोदी के विचार)**

# क्या सुबह जल्दी उठने वाले लोग जीवन में ज्यादा सफल होते हैं?

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

आपने अकसर घर के बड़े बुजुर्गों को छोटे बच्चों को सुबह जल्दी उठकर पढ़ने की सलाह देते हुए कई बार सुना होगा। जीवन में सफलता हासिल करने के लिए भी सुबह जल्दी उठने की सलाह दी जाती है। हो सकता है ऐसी ही एक सलाह आपको भी अपने बड़ों से मिलती रहती हो। लेकिन सदियों से चले आ रहे इस नियम को देखते हुए मन को एक सवाल का परेशान करना लाजमी है कि क्या वाकई सुबह जल्दी उठने का आपके लक्ष्य और सफलता से कोई रिश्ता हो सकता है?

### क्या कहती है स्टडी?

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के एक अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने मार्च 2020 से लेकर मार्च 2022 के बीच किए जाने वाले करीब एक दर्जन सर्वेक्षणों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया। इन सर्वेक्षणों में 49,218 लोग शामिल रहे। जिसके बाद ब्रिटिश मेडिकल जर्नल मेंटल हेल्थ में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, अपने दिन की शुरुआत जल्दी करने वाले लोगों ने बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के साथ एक अच्छे जीवन जीने की बात मानी। रिपोर्ट में मौजूद आंकड़ों के अनुसार ऐसे लोगों को लाइफ में अधिक संतुष्टि, खुशी और तनाव की कमी जैसे लक्षण देखे को मिले। उन्होंने यह भी बताया कि सुबह जल्दी अपने दिन की शुरुआत करने से उनके भीतर आत्म-मूल्य के

**WAKEUP**

**सदियों से सुबह जल्दी उठने के चले आ रहे नियम को देखते हुए मन को एक सवाल का परेशान करना लाजमी है कि क्या वाकई सुबह जल्दी उठने का आपके लक्ष्य और सफलता से कोई रिश्ता हो सकता है?**

बारे में ज्यादा समझ बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार व्यक्ति सबसे ज्यादा बुरा आधी रात के आसपास महसूस करता है। जबकि वीकेंड पर उनकी मेंटल हेल्थ और मूड अधिक परिवर्तनशील बने रहे। लेकिन पूरे सप्ताह अकेलापन बना रहा।

यूनिवर्सिटी कॉलेज में सांख्यिकी और महामारी विज्ञान के प्रमुख अनुसंधानकर्ता डॉ. फेइफी बू कहते हैं कि, 'हमारा अध्ययन बताता है कि लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और खुशी में समय के साथ उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। लेकिन औसतन लोग सुबह जल्दी उठने पर अच्छा और देर रात को सबसे बुरा महसूस करते हैं।

### रिसर्च से जुड़ी सीमाएं

डॉ. बू का कहना है कि भले ही सुबह और बेहतर मूड, जीवन संतुष्टि और आत्म-मूल्य के बीच एक गहरा संबंध पाया गया हो, लेकिन इस शोध में स्पष्ट न होने वाले परिणाम भी हो सकते हैं। अधिकांश शोधों की तरह, निष्कर्षों को दोहराने की आवश्यकता है।

### क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खुशहाल जीवन एक पॉजिटिव स्थिति है, जो सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थितियों से निर्धारित होता है। जिसमें क्वालिटी ऑफ लाइफ, उसका अर्थ और मकसद शामिल होता है।

### जब मौका लगे कड़ी मेहनत करें

तो क्या रिसर्च में आए इन नतीजों का मतलब अपनी समस्याओं का सामना करना है? सुबह सबसे पहले अपना सबसे कठिन काम को करना है? या फिर शाम को अपनी समस्याओं का समाधान करने की जगह बिस्तर पर जाकर सुबह उन मुद्दों से निपटना है? हालांकि सभी शोध इस बात से सहमत नहीं हैं। बावजूद इसके ज्यादातर साक्ष्य समस्या के समाधान के लिए लेट मार्निंग का समय सबसे अच्छा मानते हैं। अध्ययन बताते हैं कि देर सुबह व्यक्ति का मूड अधिक स्थिर बना हुआ रहता है, जिससे वो ठंडे दिमाग और भावनात्मक प्रेशर महसूस किए बिना जरूरी समस्याओं को आसानी से सुलझा सकता है। इसके अलावा शरीर में तनाव बढ़ाने वाला कोर्टिसोल हार्मोन भी दोपहर के समय कम हो जाता है। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि जो लोग देर रात तक जागकर अपनी अधिकांश गतिविधियों, कार्यों और समस्याओं का समाधान खोजते हैं, उन्हें अपनी लाइफ को चेंज करने की जरूरत नहीं है।

**RELATIONSHIP**

## प्यार के रिश्ते में ना करें हड़बड़ी धीरे-धीरे करें जीवनसाथी को समझने की कोशिश

पहली मुलाकात में प्यार के अफसाने सुनने में भले ही बेहद रोमांचक लगें, पर सच्चाई यह है कि ऐसे रिश्तों में एक-दूसरे को जानने-समझने का वक्त ही नहीं मिलता। किसी रिश्ते को पनपने का पर्याप्त वक्त देना क्यों है जरूरी, बता रही हैं एक्सपर्ट

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

पहली नजर में प्यार हो जाने वाले किस्से फिल्मों में ही अच्छे लगते हैं क्योंकि किसी भी रिश्ते को मजबूती देने के लिए आपस में तालमेल होना बहुत जरूरी है। दूसरे शब्दों में कहें तो रिश्तों में प्रगाढ़ता तभी आती है, जब दो लोगों के विचारों में संतुलन होता है। शुरुआती मुलाकातों में सब कुछ गुलाबी और खूबसूरत लगता है क्योंकि मन प्रेम के रस में सराबोर होता है, लेकिन व्यवहारिक धरातल प्रेम की सपनीली दुनिया से अलग होता है, जहां एक-दूसरे के प्रति सम्मान और भविष्य को लेकर साझा सपने देखना भी जरूरी होता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि प्रेम जैसे खूबसूरत अहसास से दूर ही रहा जाए, बल्कि इसका अर्थ यह है कि कोई नया रिश्ता कायम होने पर उसमें जल्दबाजी करने की बजाय उसे पनपने का समय दें। वैसे जानकार भी नए रिश्ते में धीमी शुरुआत की पैरवी करते हैं ताकि आप जान सकें कि सामने वाला व्यक्ति आपके लिए ठीक है भी या नहीं है। इसके अलावा भी रिश्ते के मामले में धीमी शुरुआत के बहुत सारे फायदे हैं।

### भावनात्मक सुरक्षा

एक नए रिश्ते को समय देने से दोनों पक्षों को एक-दूसरे के भावनात्मक पहलू देखने और समझने का अवसर मिलता है, जिससे रिश्ते में मजबूती आती है।

### बेहतर संवाद

दो-चार मुलाकातों में किसी के व्यक्तित्व को परखा नहीं जा सकता है। जब आप लंबे समय तक किसी से मिलते हैं तो उसके विचारों को समझने में मदद मिलती है और ये भी पता चलता है कि वह अन्य लोगों के साथ किस तरह पेश आता है।

### दबाव रहित रिश्ता

लोग अकसर एक नए रिश्ते में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करते हैं ताकि सामने वाले पर उनका अच्छा प्रभाव पड़े। लेकिन इससे नाहक तनाव बढ़ता है। इसकी बजाय धीमी गति से रिश्ता बढ़ाने पर एक-दूसरे की कमजोरियों और खूबियों को समझने में मदद मिलती है।

### सही निर्णय लेने की क्षमता

किसी प्रकार का भावनात्मक दबाव ना होने पर आप सामने वाले के वास्तविक व्यक्तित्व का आकलन करके अपने लिए और अपने रिश्ते के लिए ज्यादा बेहतर निर्णय ले पाएंगी। जल्दबाजी नहीं करने से सामने वाले को समझने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। याद रखिए, टिकाऊ रिश्ते समय मांगते हैं ताकि आप बेकार की उम्मीदें लगाने की बजाय खुले दिमाग से अपने लिए सही फैसला ले सकें। इसलिए बेहतर होगा कि किसी नए रिश्ते की शुरुआत से पहले ही कुछ बातों का ध्यान रख लिया जाए।

### खुद को दें समय

एक नए रिश्ते का यह अर्थ नहीं होना चाहिए कि आप अपने करीबी लोगों, दोस्तों और सोशल सर्कल को बिल्कुल ही हाशिए पर रख दें। आप एक नए रिश्ते को अपने जीवन में शामिल कर रही हैं, इसके लिए पुराने रिश्तों को छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। इसलिए अपने दोस्तों और प्रियजनों के साथ भी घूमें-फिरें और समय बिताएं, इससे आपकी व्यक्तिगत पहचान बरकरार रहेगी।

### बार-बार ना मिलें

शुरुआत में एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का दिल करता है, लेकिन बहुत जल्दी-जल्दी मिलना उतावलेपन की निशानी है और यह मिलने के रोमांच को भी खत्म कर देता है। इसलिए मुलाकातें सीमित ही रखें ताकि एक-दूसरे को लेकर दिलचस्पी बनी रहे।

### व्यक्तिगत जानकारी की साझेदारी

दूसरी-तीसरी मुलाकात में ही अपने जीवन के सारे पन्ने खोल कर रख देना कोई समझदारी की बात नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार अपने बारे में धीरे-धीरे बताना शुरू करें। इससे ना केवल रिश्ते में विश्वास पैदा होता है बल्कि अपने प्रति सामने वाले का नजरिया समझने में भी मदद मिलती है।

### वित्तीय सीमाओं का निर्धारण

शुरुआत में रुपए-पैसे संबंधित बातें अलग ही रखनी चाहिए। यानी, अपने क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते की जानकारी साझा ना करें और कोई ज्वॉइंट बैंक खाता भी ना खोलें। वित्तीय सीमाओं का निर्धारण रिश्तों में पारदर्शिता स्थापित करता है। एक बार जब आप रिश्ते को अच्छी तरह परख लें तो आपसी साझेदारी में रुपए-पैसे निवेश किए जा सकते हैं।

### व्यक्तिगत शौक हैं जरूरी

बेशक इस नए रिश्ते ने आपके जीवन को उमंग और खुशियों से भर दिया है, लेकिन फिर भी अपने व्यक्तिगत शौक को बनाए रखना आपके लिए बहुत जरूरी है। ऐसा करने से आप दोनों को साथ रहते हुए भी कभी अपने पर्सनल स्पेस के खत्म हो जाने का भय नहीं रहेगा। वैसे भी आपके निजी शौक आपके व्यक्तित्व को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए अपने साथी के साथ समय बिताने को अपना एकमात्र शौक बनाने की बजाय अपने पसंद के काम करने के लिए भी समय अवश्य निकालें।

## चटपटा खाने की हो क्रेविंग तो बनाएं सिंधी आलू टुक

सिंधी डिशेज में आलू टुक एक फेमस स्नैक है, जिसे आलू फ्राई करके कुछ मसालों के साथ तैयार किया जाता है। अगर आपको चटपटा खाने की क्रेविंग होती है तो आप भी इस डिश को आसानी से तैयार कर सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

आलू टुक एक फेमस सिंधी स्नैक है जिसे आलू को फ्राई करके और कुछ मसालों के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। ये डिश करीना कपूर की भी फेवरिट है। एक्ट्रेस कई बार खाने की फेवरिट चीजों में सिंधी कड़ी और आलू टुक का जिक्र कर चुकी हैं। अगर आपको चटपटा खाने की क्रेविंग हो तो आप इस डिश को फटाफट तैयार कर सकते हैं। आलू टुक बनाने का सबका तरीका अलग हो सकता है, यहां बताए गए तरीके से आप मिनटों में इस टेस्टी डिश को बनाकर खा सकते हैं।

### आलू टुक बनाने के लिए आपको चाहिए

- 7-8 आलू बड़े, या फिर 12-15 छोटे आलू
- तलने के लिए तेल
- 1 चम्मच नमक
- चुटकीभर हल्दी पाउडर
- 1.5 चम्मच धनिया पाउडर
- 1.5 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 चम्मच चाट मसाला
- 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर
- 2-3 हरी मिर्च (वैकल्पिक)
- फ्रेश हरा धनिया
- 1/2 नींबू

### कैसे बनाएं आलू टुक

अगर आप बड़े आलू का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे धोकर छील लें और फिर मोटे मोटे गोल टुकड़ों में काट लें। अगर आलू छोटे वाले हैं तो इन्हें अच्छे से धोएं और फिर उबाल लें। जब ये 90 परसेंट उबल जाएं तो इन्हें ग्लास या फिर हाथों की मदद से चपटा कर लें। अब पहले तलने के लिए तेल गर्म करें। ध्यान रखें फ्राई करते समय आंच मध्यम होनी चाहिए और तेल ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए। फिर इसमें आलू डालें और 5-7 मिनट तक पकाएं। जब यह अंदर से पक जाएं तो तेल से निकालने के बाद इन्हें एक प्लेट में रखें। आलू को क्रिस्पी करने के लिए आप डबल फ्राइंग तरीके को भी अपना सकते हैं। अगर आपने बड़े आलू का इस्तेमाल किया है और डायराक्ट फ्राई किए हैं तो आप इन्हें कटोरी या ग्लास की मदद से दबा दीजिए। और फिर से दूसरी बार तलें। एक बार जब आलू कुरकुरे और सुनहरे हो जाएं तो उन्हें तेल से निकालें। अब इन आलू में सभी मसाले डालें और अच्छे से मिक्स करें। इसमें हरी मिर्च और नींबू का रस मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।अब ताजे धनिया से सजाएं और आलू टुक का मजा लें।

## मां-बाप को जल्दी बूढ़ा कर देती हैं बच्चों की ये 4 आदतें

**PARENTING**

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा अपने जीवन में बहुत आगे बढ़े, समाज में उनका नाम रोशन करें और एक खुशहाल जिंदगी जिए। इसके लिए पैरेंट्स अपनी पूरी मेहनत लगा देते हैं। कई बार तो उनकी जिंदगी बच्चे के इर्द-गिर्द की घूमती रह जाती है। कई बार तो माता-पिता अपने बच्चे को ले कर इतने चिंतित हो जाते हैं कि उनकी रातों की नींद तक उड़ जाती है। इसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है और बच्चे का भविष्य भी तबाही की और बढ़ जाता है।

### नशे की लत में डूब जाना

कई बार अपनी गलत संगत के चलते बच्चे कम उम्र में ही नशे जैसी गंदी लत के शिकार हो जाते हैं। कई बच्चे तो स्कूल और कॉलेजों में ही बीड़ी, सिगरेट, शराब और यहां तक की ड्रग्स लेना भी सीख जाते हैं। अब माता-पिता हर समय तो बच्चे की निगरानी कर नहीं सकते इसलिए इस बात का पता भी उन्हें बहुत समय बाद ही चलता है। ज्यादातर मामलों में कोई बाहर वाला ही आ कर बच्चों के माता-पिता को ये जानकारी देता है। जैसे ही पैरेंट्स को ये बात पता चलती है उन्हें जोर का धक्का लगता है। और तो और उनकी रातों की नींद भी उड़ जाती है।

### बात-बात पर कुछ गलत कदम उठाने की धमकी देना

कई बच्चे पैरेंट्स से अपनी बात मनवाने या किसी तरह की रोक-टोक से बचने के लिए धमकियों का सहारा लेना शुरू कर देते हैं। खासतौर से 18 की उम्र के बाद बच्चों में ये बाघी नेचर डेवलप होने लगता है। वो बात-बात पर पैरेंट्स को घर से भाग जाने या फिर कुछ गलत कदम उठा लेने जैसी धमकियां देना शुरू कर देते हैं। ऐसी बातें सुनकर हर मां-बाप के पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। बच्चे की इस रवैए का असर उनकी मेंटल हेल्थ पर ही पड़ता है और चिंता में वो जल्दी बूढ़े होने लगते हैं।

### करियर छोड़ मजे में खाली घूमना

हर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा अपने करियर में बहुत आगे तक जाए। इसके लिए वो अपना हर संभव प्रयास करते हैं। आर्थिक रूप से भी बच्चे की पढ़ाई-लिखाई या उसकी मांगी गई किसी चीज में कमी नहीं आने देते। जाहिर है एक उम्र के बाद उन्हें भी जिंदगी भर की भागदौड़ से राहत चाहिए होती है, जिसके लिए वो अपने बच्चे को उम्मीद की तरह देखते हैं। हालांकि जब बच्चा गलत संगत में पड़कर अपना करियर-वारियर छोड़कर मजे-मस्ती में खाली घूमना शुरू कर देता है, तो ये बात पैरेंट्स को काफी परेशान करने लगती है।

## क्या अर्जुन छाल से हार्ट ब्लॉकेज होता है खत्म, इसके फायदे-नुकसान

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आयुर्वेद में कई तरह की जड़ी बूटियों का इस्तेमाल बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। अर्जुन की छाल का इस्तेमाल भी कई तरह की समस्याओं खासतौर से दिल संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए किया जाता है। इस छाल के कई फायदे है और कुछ नुकसान भी हैं, जो आप इस आर्टिकल में जान सकते हैं। इसी के साथ ये भी जानिए कि क्या अर्जुन छाल से हार्ट ब्लॉकेज की दिक्कत खत्म हो जाती है।

### क्या अर्जुन छाल से हार्ट ब्लॉकेज की दिक्कत होती है दूर?

अर्जुन पेड़ की छाल को लंबे समय से हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देने और बेहतर शरीरिक हेल्थ के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह हार्ट फेलियर के खतरे को भी कम करता है और ब्लडप्रेशर को मैनेज करने में मदद करता है। आयुर्वेद में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को नियंत्रित करके दिल की रुकावट को रोकने के लिए अर्जुन की चाय पीने की सलाह दी जाती है।

### क्या है अर्जुन छाल के फायदे

*1)* आयुर्वेद के अनुसार, गर्मी, धूप, हार्मोनल असंतुलन और शरीर में सूजन पित्त दोष सभी हाइपरपिग्मेंटेशन से जुड़े हुए हैं। अर्जुन की छाल पित्त को संतुलित करती है, यह टैनिंग और पिग्मेंटेशन को कम करने में मदद करती है।

*2)* यूरीन इंफेक्शन है तो अर्जुन छाल लेने से दर्द से राहत मिलती है और मूत्र प्रवाह में सुधार होता है। इसकी ठंडी प्रकृति के कारण, यह जलन को भी कम करता है और पेशाब के दौरान ठंडक देता है।

*3)* अर्जुन पेस्ट में सूजन-रोधी गुण होते हैं, यह सूजन को कम करके मुंहासे और फुंसियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें कसैले गुण होते हैं जो स्किन सेल्स को सिकुड़ने का कारण बनते हैं और मुंहासे को कम करने में मदद करता है।

*4)* अर्जुन फेफड़ों की स्थितियों जैसे ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, खांसी और संक्रमण के इलाज में मदद करता है। अर्जुन कप्हा को संतुलित करता है, यह अमा को कम करने और बलगम को साफ करने में मदद करता है।

### क्या है अर्जुन छाल के नुकसान

*1)* कुछ लोग अर्जुन की छाल का सेवन करने पर मतली, पेट खराब या दस्त जैसी पाचन समस्याओं का अनुभव कर सकते हैं। ये लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं लेकिन असुविधा का कारण बन सकते हैं।

*2)* अर्जुन की छाल कुछ व्यक्तियों में एलर्जी का कारण बन सकती है। लक्षणों में त्वचा पर चकत्ते, खुजली या सूजन शामिल हो सकती हैं। अगर आपको एलर्जी के कोई लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत इसका इस्तेमाल बंद कर दें और एक्सपर्ट से सलाह लें।

*3)* अर्जुन की छाल ब्लड प्रेशर को कम कर सकती है, जिससे हाई रक्तचाप वाले लोगों को फायदा होता है। हालांकि, अगर आपको पहले से ही लो ब्लड प्रेशर की समस्या है या आप ब्लडप्रेशर कम करने वाली दवाएं ले रहे हैं, तो अर्जुन के इस्तेमाल से चक्कर आना, या बेहोशी हो सकती है।

***नोट :*** *इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।*

# सर्वसमावेशी संस्कृति का प्रतीक महाकुंभ

यदि आप भारत के गांव-कस्बों से गुजरें तो ऐसे असंख्य लोग मिल जाएंगे. जो प्रातः स्नान करते समय 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती। नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् संनिधि कुरु।' का मंत्रोच्चार कर रहे होंगे। इस मंत्र का अर्थ है- हे यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु, और कावेरी हमारे जल में उपस्थित होकर इसे पवित्र करो। स्नान के नित्यकर्म में राष्ट्र की सभी पवित्र नदियों का आह्वान यह बताता है कि भारतभूमि के लोगों की नदियों के प्रति कितनी गहरी श्रद्धा है।

विश्व की लगभग सभी सभ्यताओं का जन्म नदी तटों पर हुआ है, लेकिन भारत तो नदी संस्कृति का ही देश है। उत्तर में सिंधु से लेकर दक्षिण में कृष्णा-कावेरी तक और पूर्व में ब्रहमपुत्र से लेकर पश्चिम में नर्मदा तक भारत की ये पुण्य सलिलाएं अनंतकाल से कोटि-कोटि भारतवासियों के जीवन का उद्धार करती रही हैं। ये नदियां माँ की तरह ही हमारा भरण-पोषण करती हैं। हम जब भी समस्याओं में उलझे होते हैं तो इन नदी रूपी माताओं के निकट आकर शांति की तलाश करते हैं और अपनी इहलौकिक यात्रा को समाप्त कर पारलौकिक यात्रा के लिए भी इन्हीं नदियों की गोद में पहुंचते हैं। इन नदियों का न केवल हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक जीवन में विलक्षण महत्व है, अपितु ये सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा अन्य कई रूप से भी सहायक मानी जाती हैं।

यही कारण है कि हमारे धार्मिक ग्रंथों में नदियों को माता का दर्जा दिया गया है। ऋग्वेद के नदी सूक्त से लेकर आधुनिक साहित्य तक, नदियों की महिमा को व्यापक रूप से दर्शाया गया है। महाभारत, मत्स्य पुराण, ब्रह्म पुराण और कालिदास के ग्रंथों में भी नदियों की पवित्रता को रेखांकित किया गया है।

जालंधर ब्रीज

गजेंद्र सिंह शेखावत
(केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री)

कुंभ महापर्व, नदियों के महात्म्य का ही महापर्व है, जो विविधतता में एकता प्रदर्शित करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं का सबसे बड़ा पर्व है। यह महापर्व खगोल विज्ञान, आध्यात्मिकता, कर्मकांड की परंपराओं और सामाजिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान-विज्ञान की बहुवर्णीयता से सभी को आकर्षित करता है।

अथर्ववेद में उल्लेख मिलता है कि भगवान ब्रह्मा ने हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक चार कुंभ स्थापित किए, जिससे यह आयोजन पवित्र माना जाता है। स्कंद पुराण में कुंभ योग बताते हुए कहा गया है 'मेषराशिंगते जीवे मकरे चन्द्र भास्करी। अमावास्या तदा योगः कुम्भाख्यस्तीर्थनायके ॥' अर्थात 'जिस समय बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो तथा चंद्रमा और सूर्य मकर राशि पर हों तो उस समय तीर्थराज प्रयाग में कुंभ-योग होता है।'

कुंभ का आयोजन समाज, धर्म और संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है। इसमें प्रमुख अखाड़ों के संत, महात्मा और नागा संन्यासी संसार के संपूर्ण कष्टों के निवारण हेतु तथा समाज, राष्ट्र, और धर्म आदि के कल्याण के लिए अमूल्य दिव्य उपदेश प्रदान करते हैं। प्रयाग में कुंभ के तीन प्रमुख स्नान होते हैं—मकर संक्रांति, मौनी अमावास्या और वसंत पंचमी पर। इन तीनों स्नानों में सर्वप्रथम स्नान निर्वाणी अखाड़े का, द्वितीय स्नान निरंजनी अखाडे का और तृतीय स्नान जूना अखाडे का होता है। इसके पश्चात् समस्त संप्रदाय के लोगों का होता है। कुंभ-पर्व की प्राचीनता के संबंध में तो किसी संदेह कीआवश्यकता ही नहीं, किंतु यह बात अवश्य महत्त्वपूर्ण है कि कुंभ मेले का धार्मिक रूप में श्रीगणेश किसने किया ? विद्वानों ने यह सिद्ध किया है कि कुंभ मेले के प्रवर्तक आदि शंकराचार्य हैं। उन्होंने कुंभ-पर्व के प्रचार की व्यवस्था धार्मिक संस्कृति को सुदृढ़ रखने के लिए तथा जगत कल्याण की दृष्टि से की थी। उन्हीं के आदर्शानुसार आज भी कुंभपर्व के चारों सुप्रसिद्ध तीर्थों में सभी संप्रदाय के साधु-महात्मागण देश-काल-परिस्थिति अनुरूप लोककल्याण की दृष्टि से धर्म-रक्षार्थ धर्म का प्रचार करते हैं, जिससे सर्वजन कल्याण होता है।

कुंभ का इतिहास कान्यकुब्ज के शासक सम्राट हर्षवर्धन के साथ भी जुड़ा है। हर्षवर्धन कुंभ के अवसर पर प्रयाग में ही रहकर सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन करते और सभी मतावलंबियों के विचार सुनते थे। धार्मिक सहिष्णुता के साथ-साथ महाराज हर्षवर्धन इस अवसर पर अपनी दानशीलता का भी परिचय देते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा विवरण के अनुसार कुंभ में वह अपना सर्वस्व मुक्तहस्त से दान कर देते थे। सम्राट् हर्षवर्धन ने अपना समूचा कोष प्रयाग कुंभ के अवसर पर दान कर दिया। जब दान के लिए कुछ और शेष नहीं रहा, तब उन्होंने अपने वस्त्राभूषण तथा मुकुट तक उतार कर दे दिए। जब शरीर पर वस्त्र भी नहीं बचे तो उनकी बहन राज्यश्री ने उन्हें पहनने के लिए वस्त्र दिए। । महाराज हर्षवर्धन के त्याग और दान की यह प्रेरक परंपरा कुंभ में अब तक अक्षुण्ण चली आ रही है।

## पेंशनधारकों के कल्याण हेतु संचार लेखा नियंत्रक कार्यालय, पंजाब द्वारा शिविर का आयोजन

**जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़)** . संचार लेखा नियंत्रक कार्यालय, जो संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग (DoT), नई दिल्ली का नोडल कार्यालय है और पंजाब राज्य के लिए कार्यरत है, ने टेलीहॉस सोसाइटी, सेक्टर 50-सी, चंडीगढ़ में पेंशनधारकों और पारिवारिक पेंशनधारकों के कल्याण हेतु 25 फरवरी 2025 को एक शिविर का आयोजन किया।

उद्घाटन संबोधन में अक्षय गुप्ता, उप नियंत्रक (Dy CCA) ने पेंशनधारकों और पारिवारिक पेंशनधारकों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब राज्य में 2024-25 के दौरान कार्यालय द्वारा 23 शिविरों का आयोजन किया गया है, जिसका उद्देश्य पेंशनधारकों के कल्याण के साथ-साथ उनके जीवन प्रमाण पत्र एकत्र करना भी है। पेंशनधारकों की सुविधा के लिए कार्यालय ने एक समर्पित टोल-फ्री नंबर 18001802089, व्हाट्सएप नंबर 9417015033 प्रदान किया है और एक अधिकारी को पेंशन मित्र के रूप में नामित भी किया गया है।

डॉ. मंदीप सिंह, संयुक्त नियंत्रक (Jt. CCA) के मार्गदर्शन में पेंशनधारकों को जागरूक करने के लिए एक ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति दी गई, जिसमें निम्नलिखित विषयों को कवर किया गया:

1. विभाग का ऑनलाइन पेंशन पोर्टल (SAMPANN) और इसकी सुविधाएं।
2. ग्रेच्युटी और कम्यूटेशन से संबंधित मुद्दे।
3. ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया।
4. इनकम टैक्स से संबंधित मुद्दे।

5. पारिवारिक पेंशन आवेदन और उससे संबंधित दस्तावेज़ दाखिल करने की प्रक्रिया।
6. साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलू।

शिविर के दौरान एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन भी किया गया, जिसमें विभाग के अधिकारियों ए. के. जैन, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (Sr. AO) और राजीव रंजन, वरिष्ठ लेखा अधिकारी (Sr. AO) ने पेंशनधारकों की समस्याओं पर चर्चा की।

इस अवसर पर विभाग के सबसे वरिष्ठ पेंशनधारक के. एल. ढींगरा (उम्र 95 वर्ष) को सम्मानित भी किया गया। इस शिविर में कुल 102 पेंशनधारकों और पारिवारिक पेंशनधारकों ने भाग लिया। शिविर का समापन ओम प्रकाश, जनसंपर्क अधिकारी (PRO) के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

## किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं : पुरी

**जालंधर ब्रीज (अमृतसर).** केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करने के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में कई किसानों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ इस कार्यक्रम को वर्चुअली देखा।

इस मौके पर संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसानों का कल्याण है। उन्होंने कहा, "भारत में किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। वे हमारी भूमि के रखवाले और हमारी खाद्य सुरक्षा के संरक्षक हैं।"

उन्होंने कहा, "हमारे किसान अब ऊर्जा उत्पादक बन गए हैं। पहले कुल इथेनॉल मिश्रण 1.5% था, लेकिन अब यह 19.6% तक पहुंच गया है, जिसके चलते किसानों को 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। केंद्र सरकार देश भर में इथेनॉल मिश्रण को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, जिसका अंततः किसानों को लाभ होगा। पिछले तीन वर्षों में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में भी कमी आई है।"

हरदीप सिंह पुरी ने कहा, "देश के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 18 किस्तों के माध्यम से 3.45 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। 19वीं किस्त जारी होने के साथ ही किसानों के खातों में कुल 3.68 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाएंगे। 19वीं किस्त जारी होने से देश भर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे।" अपने संबोधन के बाद, केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर किसानों को मंच पर सम्मानित भी किया।

## सेवानिवृत सैनिक दिवस का आयोजन

**जालंधर ब्रीज (देश) .** सेवानिवृत्त सैनिक दिवस के अवसर पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की 50वीं वाहिनी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें आईटीबीपी के महिला पुरूष जवानों ने देश सेवा के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समा बांध दिया। इस दौरान पंजाबी भांगडा, हरियाणवी, राजस्थानी तथा बच्चों के द्वारा सांस्कतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में आईटीबीपी के सेवानिवृत्त हुए वीर जवानों और अधिकारियों को शॉल और प्लांटर पॉट देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त वीर जवानों के अदम्य साहस, बहादुरी, कड़ी मेहनत और देश सेवा के प्रति समर्पण के लिये धन्यवाद प्रेषित किया गया। वाहिनी आमंत्रित सभी पूर्व सैनिको के लिए बडे खाने का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप निरीक्षक रेनू कुमारी ने किया।

# मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एडवांटेज असम 2.0 में प्रमुख बुनियादी ढांचे और आईटी पहल का अनावरण किया

• **जालंधर ब्रीज** . गुवाहाटी

केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुवाहाटी में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने क्षेत्र में रेलवे और आईटी उद्योगों के विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से कई प्रमुख पहलों और परियोजनाओं की घोषणा की।

बुनियादी ढांचे और औद्योगीकरण को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की जानकारी देते हुए, वैष्णव ने उत्तर पूर्व को भारत के विकास के लिए "नया इंजन" बताया। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में राज्य की बढ़ती भूमिका को मजबूत करते हुए, असम में नए सेमीकंडक्टर संयंत्र की योजना का अनावरण किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने घोषणा की कि गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को नए आईटी हब में तब्दील किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के डिजिटल बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने 2014 के बाद से असम और पूर्वोत्तर में 1,824 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक के निर्माण में सरकार की सफलता पर बल दिया। उन्होंने असम में मोइनारबैंड और सिन्नामारा में दो गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के चालू होने की भी जानकारी दी और चायगांव, न्यू

बोंगाईगांव, बिहारा, हिलारा, बैहाटा और रंगजुली में 06 अतिरिक्त गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के विकास की घोषणा की, जो क्षेत्र के रेलवे नेटवर्क को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। कनेक्टिविटी को और मजबूत करते हुए, उन्होंने पुष्टि की कि एक वंदे भारत एक्सप्रेस पहले से ही पूर्वोत्तर में चालू है, दूसरी जल्द ही गुवाहाटी और अगरतला को जोड़ने वाली है। उन्होंने दो अमृत भारत ट्रेनों (गुवाहाटी-दिल्ली और गुवाहाटी-चेन्नई के बीच) को मंजूरी देने की भी घोषणा की, जो इस साल चालू हो जाएंगी। उन्होंने लुमडिंग में रेलवे इंजन मिडलाइफ़ पुनर्निर्माण सुविधा की स्थापना की भी घोषणा की। मंत्री ने 300 करोड़ रुपये की लागत से बोडोलैंड क्षेत्र के बशबारी में वैगन कार्यशाला स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की।

वैष्णव ने असम और भूटान के बीच कनेक्टिविटी में सुधार, आर्थिक विकास के नए अवसर खोलने की सरकार की योजनाओं पर बल दिया। बोडोलैंड क्षेत्र में विकास पर बल देते हुए, उन्होंने बशबारी में वैगन कार्यशाला की स्थापना की घोषणा करके बोडो समझौते के तहत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल विनिर्माण में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर चर्चा करते हुए, मंत्री ने कहा कि 98% से अधिक मोबाइल फोन अब घरेलू स्तर पर बनते हैं। इस क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए, उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण योजना के तहत 120 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से बोंगोरा, कामरूप में ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) के विकास की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान को जगीरोड में परिसर स्थापित करने की योजना के साथ डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी में अपग्रेड किया गया है।

वैष्णव ने पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास के लिए सरकार के समर्पण की पुष्टि की। उन्होंनेविश्वास व्यक्त किया कि असम जल्द ही महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेगा। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में नई पहलों को बढ़ावा देने में केंद्र सरकार के निरंतर समर्थन को स्वीकार करते हुए इस भावना को दोहराया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि असम वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख क्षेत्र बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री की उपस्थिति में, असम सरकार ने सिंगापुर, मलेशिया और जापान में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के 10 उद्योग समूहों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे राज्य के बढ़ते सेमीकंडक्टर उद्योग में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को मजबूत किया गया और निवेश को बढ़ावा दिया गया।

## वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025

**जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़)** . भारतीय रिज़र्व बैंक वर्ष 2016 से हर वर्ष जनसंख्या के विशेष वर्गों को लक्षित करते हुए एक विशिष्ट विषय पर वित्तीय साक्षरता सप्ताह (एफएलडब्ल्यू) मना रहा है। वित्तीय साक्षरता सप्ताह-2025 दिनांक 24-28 फरवरी, 2025 के दौरान मनाया जा रहा है और यह इस पहल का 10वां संस्करण है। वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाने का उद्देश्य केंद्रीकृत अभियानों के माध्यम से लोगों में प्रमुख वित्तीय विषयों के बारे में जागरूकता का प्रसार करना है।

चंडीगढ़ में वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 का उद्घाटन विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, चंडीगढ़ द्वारा किया गया। इस वर्ष के वित्तीय साक्षरता सप्ताह का विषय है - वित्तीय समझदारी : समृद्ध नारी । इसका उद्देश्य समाज में महिलाओं की बहुमुखी भूमिका को ध्यान में रखते हुए उनके लिए वित्तीय साक्षरता को प्राथमिकता देना है। इस अभियान में जोखिम विविधीकरण, जिम्मेदारी से उधार लेना, अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाए रखना और घरेलू बजट बनाना जैसे विषय शामिल होंगे और गृहणियों, कामकाजी महिलाओं और महिला उद्यमियों पर विशेष ध्यान केंद्रित रहेगा।

वित्तीय रूप से साक्षर होने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, विवेक श्रीवास्तव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वित्तीय साक्षरता व्यक्तियों और परिवारों को अपने धन का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने, अपने भविष्य की योजना बनाने, और जानकार एवं जिम्मेदार वित्तीय निर्णय लेने में सशक्त बनाती है, जिससे वित्तीय खुशहाली आती है और वे वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के उपभोक्ता के रूप में उनके अधिकारों के बारे में जागरूक बनाते हैं। वित्तीय साक्षरता सप्ताह के दौरान रिज़र्व बैंक, बैंकों और अन्य हितधारकों के सहयोग से, पूरे देश में जागरूकता कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित करेगा। इनका स्थायी प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए इन पहलों को पूरे वर्ष जारी रखा जाएगा।

## डॉ. मांडविया ने उत्तरी क्षेत्र में खेल अवसंरचना के विकास पर चंडीगढ़ में बैठक की अध्यक्षता की

**जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़)** . केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पंजाब सरकार, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इसमें उत्तरी क्षेत्र में खेल बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा और रणनीति बनाई गई।

भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, खेलो इंडिया, फिट इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) जैसी पहल देश के खेल परिदृश्य को बदल रही हैं। हमारा लक्ष्य एक मजबूत बुनियादी ढाँचा बनाना है जो युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा दे और शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाए। खेल केवल पदक जीतने के बारे में नहीं है - यह हमारे युवाओं में अनुशासन, दृढ़ता और राष्ट्रीय गौरव जागृत करता है और उन्हें मैदान पर तथा बाहर दोनों जगह चैंपियन बनाता है।" केंद्रीय मंत्री ने बैठक के बाद कबड्डी, हैंडबॉल, जूडो, मुक्केबाजी, कयाकिंग और कैनोइंग जैसे खेलों में 30 उत्कृष्ट एथलीटों को सम्मानित किया। हाल ही में संपन्न 38वें राष्ट्रीय खेलों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले ये एथलीट छह एसएआई प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी), दो राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) और एसएआई आरसी चंडीगढ़ के अंतर्गत दो विस्तार केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

डॉ. मांडविया ने एथलीटों को प्रोत्साहित करते हुए, देश के वैश्विक खेल कद को बढ़ाने की उनकी क्षमता पर अपना विश्वास व्यक्त किया। "भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा पर है। 2047 तक, जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएंगे, मैं एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना करता हूं जहां हमारे एथलीट विश्व मंच पर छाए रहेंगे और हर प्रदर्शन के साथ तिरंगे को गौरवान्वित करेंगे।"

डॉ. मांडविया ने वर्तमान खेल सुविधाओं की समीक्षा करने और क्षेत्र में युवा खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे का आकलन करने के लिए एसएआई आर सी चंडीगढ़ का भी दौरा किया। उत्तर भारत के सबसे बड़े क्षेत्रीय केंद्र के रूप में, आर सी चंडीगढ़ पंजाब, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर, चंडीगढ़ और लद्दाख में खेलों के विकास की देखरेख करता है।

## डॉ. मंडाविया ने चंडीगढ़ में श्रम ब्यूरो, ईपीएफओ और ईएसआईसी मॉडल अस्पताल के कार्यों की समीक्षा की

**जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़)** . केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने चंडीगढ़ का दौरा किया तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले प्रमुख संस्थानों की समीक्षा की। अपने दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने श्रम ब्यूरो तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मॉडल अस्पताल, चंडीगढ़ का दौरा किया, वहां चल रही पहलों का मूल्यांकन किया तथा हितधारकों से बातचीत की। श्रम मंत्री को श्रम ब्यूरो द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों और योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। उन्हें मूल्य सूचकांक, श्रम सांख्यिकी और सर्वेक्षण सहित विभिन्न गतिविधियों के उद्देश्यों और स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।

श्रमिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए डॉ. मंडाविया ने आर्थिक विकास, शासन और सेवा वितरण को बढ़ाने में डेटा-संचालित निर्णय लेने की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय मंत्री ने श्रम ब्यूरो में पंजाब और हिमाचल प्रदेश जोन के अंतर्गत ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रदर्शन और पहलों की भी समीक्षा की। श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आईटी प्रणाली में सुधार लगातार ईपीएफओ के कार्य प्रणाली में बदलाव ला रहे हैं।

बाद में, केंद्रीय मंत्री ने चंडीगढ़ में ईएसआईसी मॉडल अस्पताल का दौरा किया और ओपीडी पंजीकरण काउंटर, फार्मेसी, प्रयोगशाला, रेडियोलॉजी यूनिट, हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू), ओपीडी और आकस्मिक विभाग सहित अस्पताल की सुविधाओं का जायजा लिया। अपने दौरे के दौरान, डॉ. मंडाविया ने अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों से बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में एक पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री को अस्पताल के संचालन, उद्देश्यों और दृष्टिकोण के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालय की कार्यप्रणाली का अवलोकन भी कराया गया।

# हिरण तो रोज मार रही है आम आदमी पार्टी की सरकार शेर कब मारेगी

• **जालंधर ब्रीज .** विशेष रिपोर्टर

देश में जिस प्रकार भाजपा की लहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से पूरे देश में फैल रही है उससे केंद्रीय स्तर पर राजनीति करने वाली पार्टियों की चिंता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। चाहे कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से इन दोनों पार्टियों ने नरेंद्र मोदी को हराने के लिए इंडिया गठबंधन बनाया उसमें दोनों ही दल नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाए और संसदीय चुनाव 2024 के बाद जिस प्रकार भाजपा ने हरियाणा में कांग्रेस को उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी को उसने दोनों ही पार्टियों की रातों की नींद उड़ा दी। खासकर आम आदमी पार्टी उसका मुख्य कारण उनका प्रमुख चेहरा अरविंद केजरीवाल का दिल्ली चुनाव हार जाना और मुख्यत भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर जाना। इसका सीधा असर 2 वर्ष बाद पंजाब में होने वाले 2027 के चुनाव पर ना पड़े इसके लिए आम आदमी पार्टी की दिल्ली टीम ने कमर कस ली है और पंजाब लीडरशिप को सीधे निर्देश दिए हैं कि किसी भी हाल में लोगों को संतुष्ट करे और इस पर आम आदमी पार्टी नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के विधायकों, हल्का इंचार्जों, और जिला प्रधानों को अलग-अलग दिल्ली तलब करके अपनी सरकार की मौजूदा स्थिति का फीडबैक भी इकठ्ठा किया।

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव में करारी हार से लेकर दिल्ली चुनाव में हार पंजाब के अफसरों की मनमानी बताया गया।

पंजाब और दिल्ली में तकरीबन हर किसी का कोई ना कोई रिश्तेदार दिल्ली में रहता है उसने पंजाब के लॉ एंड ऑर्डर पर जो स्थिति पूरा देश देख रहा है इससे आम आदमी पार्टी का ग्राफ काफी गिरा। इसका नुकसान दिल्ली चुनाव में भी हुआ और आने वाले पंजाब चुनाव में भी डर दिख रहा।

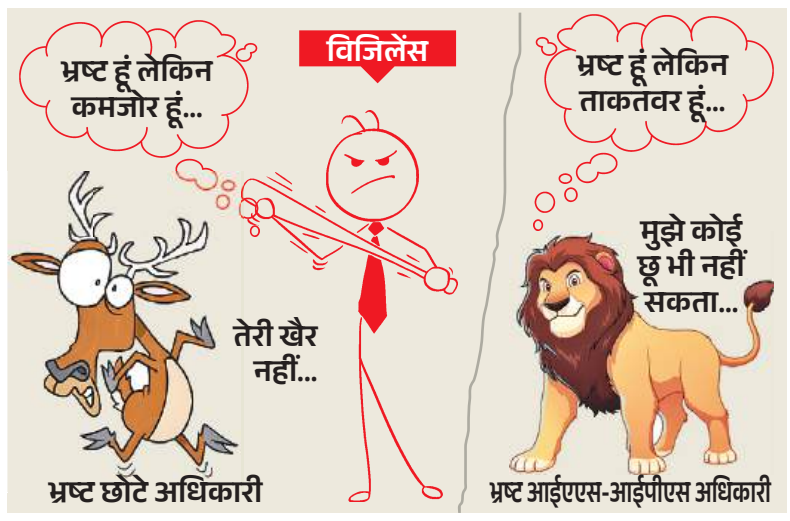


केजरीवाल इस बात को बखूबी जानते है कि अगर उनकी पार्टी को अपनी साख बचानी है तो किसी भी कीमत में पंजाब में जादुई काम करने होंगे। जिसमें उसने मंझे हुए खिलाड़ी की तरह अपने उसी आधार को पकड़ा जिससे उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई थी जो कि जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट करप्शन जिसमें विजिलेंस चीफ को बदलना और साफ छवि के आईपीएस अधिकारी की तैनाती करना और उसके बाद रोज किसी ना किसी अधिकारी पर विजिलेंस का शिकंजा कसना। परंतु विजिलेंस विभाग में ही काली भेड़ें हैं जो उगाही का काम बड़े स्तर पर भ्रष्ट अधिकारियों से महीने के रूप में लेते हैं।

सबसे बड़ी बात है न तो यह अधिकारी सेंट्रल विजिलेंस कमीशन की गाइडलाइंस को फॉलो करते हैं और न ही यह अधिकारी किसी बड़े आईएएस और आईपीएस अधिकारी को हाथ डालने की हिम्मत करते हैं। क्योंकि इनको पता है विजिलेंस विभाग कौन सा चुनाव आयोग की तरह स्वतंत्र विभाग है। किसी समय कोई भी आईपीएस अधिकारी इसमें तैनात किया जा सकता है और बाद में वो उन्हें तंग करे। ऐसे ही आईएएस अफसरों से डरते हैं। विजिलेंस विभाग की किसी समय भी उसकी तैनाती बतौर होम सेक्रेटरी हो सकती है। इसलिए आसान नहीं है भगवंत मान के लिए स्थिति को संभालना। क्योंकि 2 वर्ष का ही समय रह गया। एक केजरीवाल का दबाव दूसरी बिगड़े हुए हाथी की तरह भ्रष्ट अधिकारियों की मनमानियां। पहले भी देश ने इतिहास में पंजाब आईएएस, पीसीएस अधिकारियों की हड़ताल वाले काले दिन देखे है।

अब देखना है कि क्या भगवंत मान का विजिलेंस विभाग पटवारी, इंजीनियरिंग विभाग के अफसर, इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस अधिकारी या रेवेन्यू अधिकारी जोकि बतौर नायब तहसीलदार या तहसीलदार के रूप में कार्यरत है इनसे आगे बढ़ेगा या सिर्फ डायरेक्ट पीपीपीएससी या यूपीएससी अधिकारी को भी हाथ डालेगा। क्योंकि शुरुआत में एक स्टेट प्रमोटी आईएएस को हाथ डालने पर अफसरों के बागी तेवर देखने को मिले थे और हाल ही में मुक्तसर डीसी को सस्पेंड करने के बाद फिर ब्रेक लग जाएगी। पंजाब के जनता के मन में यह संशय आज भी बना हुआ है कि आम आदमी पार्टी की सरकार हिरण तो रोज मारती है शेर कब मारेगी।

# अवैध माइनिंग बर्दाश्त नहीं : गोयल

## ● खनन मंत्री ने माइनिंग साइटों पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश
## ● जालंधर में खनन एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान, भूमि एवं जल संरक्षण तथा जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि पंजाब सरकार गैर कानूनी माइनिंग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी, इसलिए अधिकारियों को अवैध खनन को रोकने के लिए खनन स्थलों पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। यहां कैनाल रेस्ट हाउस में माइनिंग एवं ड्रेनेज विभाग के जालंधर सर्कल के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के आदेशों के अनुसार अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिया कि अगर ऐसा कोई मामला सामने आता है तो तुरंत कार्रवाई करे तथा एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जाए। अवैध खनन से सख्ती से निपटने पर जोर देते हुए गोयल ने अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के तहत खदानों का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रात में लगातार चेकिंग की जाए ताकि रात के अंधेरे में अवैध खनन की किसी घटना को अंजाम न दिया जा सके। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में माइनिंग सर्कल जालंधर के एसई अमरिन्दर सिंह पंढेर एक्सियन जालंधर और कपूरथला सरताज सिंह रंधावा, एक्सियन लुधियाना रजत ग्रोवर, एक्सियन नवां शहर संचित, एस.डी.ओ सुखपाल सिंह, मनहोर लाल, सतविंदर सिंह कंग और प्रिंस सिंह और अन्य उपमंडल अधिकारी भी मौजूद थे।

# प्रताप बाजवा ने कैग से पंजाब में भी जांच शुरू करने का किया आग्रह

**कहा- हरपाल चीमा को सबसे पहले पंजाब के वित्त को सुव्यवस्थित करना चाहिए**

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के कथित गड़बड़ियों का खुलासा करने वाली

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के बाद, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को कैग से पंजाब में इसी तरह की जांच शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "कैग की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 में आप सरकार में आबकारी नीति तैयार करने और लागू करने में कथित अनियमितताओं के कारण दिल्ली सरकार को 2,002 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैग की रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि 2018 और 2022 के बीच विज्ञापन अभियानों पर आप सरकार के खर्च में 1,200 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि यहां यह उल्लेख करना उचित है कि आप ने पंजाब में सरकार बनाने के बाद दिल्ली की आबकारी नीति को लागू किया। इसी तरह पंजाब में आप सरकार ने अपने प्रदर्शन को झूठा प्रचारित करने के लिए दिल्ली में बैठे अपने आकाओं का अनुसरण किया। ऐसे मौके आए जब आप की पंजाब सरकार ने पंजाब के अलावा अन्य राज्यों में विज्ञापन प्रसारित किए, जिससे पंजाब का खजाना बर्बाद हो गया। बाजवा ने कहा, "इसलिए, मैं कैग से आग्रह करता हूं कि वह इसका संज्ञान ले और पंजाब में अनियमितताओं की जांच के लिए पंजाब में जांच शुरू करे।

बाजवा ने एक बयान में कहा कि सत्ता में आने के तीन साल बाद पंजाब में आप सरकार अब गहरी नींद से जागी है और उसने पंजाब में तेजी से बढ़ते मादक पदार्थ के खतरे से निपटने के लिए पांच सदस्यीय कैबिनेट समिति का गठन किया है। हालांकि, सरकार बनने के तीन महीने के भीतर पंजाब में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को समाप्त करने का वादा किया गया था।

## पंजाब सरकार ने दिव्यांग सैनिकों के लिए एक्स-ग्रेशिया की राशि दोगुनी की

**चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज).** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने युद्ध या ऑपरेशनों के दौरान सेवाएं निभाते हुए दिव्यांग होने वाले सैनिकों के लिए एक्स-ग्रेशिया वित्तीय सहायता की राशि बढ़ा दी है। रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने बताया कि इस संशोधित नीति के तहत, एक्स-ग्रेशिया वित्तीय सहायता को दोगुना कर दिया गया है, जिससे प्रभावित सैनिकों को अधिक वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी। नए प्रावधानों के अनुसार, 76% से 100% तक दिव्यांगता वाले सैनिकों को अब 40 लाख रुपये दिए जाएंगे, जबकि पहले यह राशि 20 लाख रुपये थी। इसी तरह, 51% से 75% तक दिव्यांगता वाले सैनिकों को 10 लाख रुपये के बजाय अब 20 लाख रुपये मिलेंगे, और 25% से 50% तक दिव्यांगता वाले सैनिकों को 5 लाख रुपये के बजाय अब 10 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

## डीसी ने जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का लिया जायजा

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

नशे के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने के लिए डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल और एसएसपी गौरव तुरा ने जिले के सभी एसडीएम और डीएसपी सहित जिला अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय मीटिंग की। मीटिंग में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का जायजा लेते हुए पांचाल ने कहा कि इस अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से चलाने के लिए सब डिविज़न स्तर पर एसडीएम व डीएसपी योजना तैयार कर 3 मार्च तक पूरी प्लानिंग प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में समाज सेवी संस्थाओं, धार्मिक नेताओं, खेल क्लबों आदि की भूमिका महत्वपूर्ण है, जिसके लिए सभी के सहयोग से नशे की रोकथाम के लिए जन आंदोलन चलाया जाना चाहिए। मीटिंग के दौरान श्री पांचाल ने एसडीएम व डीएसपी को अपने सब डिविज़न के पुनर्वास केंद्रों व ओट केंद्रों का दौरा करने के निर्देश दिए तथा कहा कि केंद्रों में मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, दवाइयों, स्टाफ व अन्य आवश्यक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट डिप्टी कार्यालय को भेजी जाए। उन्होंने उपचार सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मरीजों और उनके परिजनों से नियमित रूप से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए।

डिप्टी ने नशे के खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए अधिकारियों को गांवों व शहरों में जागरूकता कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। इन कैंप में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा नशीली दवाओं की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों को पुनर्वास के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

## जिला प्रशासकीय कप्लेक्स में 39 बूथों की नीलामी/बोली 13 को

**जालंधर (जालंधर ब्रीज).** स्थानीय जिला प्रशासकीय परिसर में दो बूथों की अलॉटमेंट के लिए कुल 39 बूथों की नीलामी/बोली 13 मार्च 2025 को सुबह 11 बजे सहायक कमिश्नर (ज) की अध्यक्षता में उनके दफ्तर में रखी गई है। कोर्ट परिसर के रद्द किए गए बूथों की नीलामी कोर्ट कंपाउंड नियम 2003 के अनुसार की जाएगी। जो व्यक्ति बोली लगाना चाहते हैं वे अपना आवेदन 12 मार्च 2025 को सायं 4 बजे तक अपनी आईडी के साथ सहित नजारत शाखा, कार्यालय डिप्टी कमिश्नर जालंधर (कमरा नंबर 122,123) में जमा करवा सकते है। बूथों का विवरण और बोली की शर्तें किसी भी काम वाले दिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच नजारत शाखा, डिप्टी कमिश्नर दफ्तर (कमरा नंबर 122,123) के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। बोली से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/संशोधन कार्यालय की वेबसाइट www.Jalandhar.nic.in/ नोटिस बोर्ड पर ही अपलोड किया जाएगा।

# तीन महिलाओं समेत चार नशा तस्कर गिरफ्तार

**बिना लाइसेंस केमिस्ट स्टोर का मालिक भी गिरफ्तार**

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने फिल्लौर में एक विशेष अभियान के दौरान तीन महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है और 150 एटीज़ोलम गोलियां, 49 ट्रामाडोल गोलियां जब्त की है। गिरफ्तार व्यक्ति

की पहचान मियोवाल निवासी धरमिंदर सिंह के रूप में हुई है, जो लांधरा गांव में बिना लाइसेंस दवा की दुकान चला रहा था। इसके अलावा महिलाओं की पहचान गन्ना गांव की ज्योति पत्नी बलविंदर कुमार, मगोपत्ती गांव की प्रीति पत्नी दविंदर पाल और समारी गांव की मोनिका पुत्री बलिहार राम के तौर पर हुई है।

एसएसपी जालंधर ग्रामीण हरकमल प्रीत सिंह खख ने बताया कि नशा विरोधी अभियान के तहत फिल्लौर एसपी (जांच) जसरूप कौर बाठ और डीएसपी सरवन सिंह बल्ल के नेतृत्व में फिल्लौर पुलिस स्टेशन की टीम द्वारा नशे के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले इंस्पेक्टर संजीव कपूर, एसएचओ फिल्लौर ने 26 फरवरी, 2025 को एक विशेष छापेमारी के दौरान एक वैन को रोका, जिसमें से 150 एटेज़ोलम गोलियां और 49 ट्रामाडोल गोलियां बरामद की गई।

दोनों नियंत्रित पदार्थों की उच्च लागत और दुरुपयोग की संभावना थी। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला कि धरमिंदर सिंह बिना किसी फार्मास्युटिकल लाइसेंस के प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की आपूर्ति कर रहा था। उन्होंने कहा कि इस गैर-कानूनी कार्रवाई के खिलाफ अलग से कार्रवाई करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को सूचित कर दिया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि महिलाओं का व्यापक आपराधिक रिकार्ड है। गन्ना गांव की निवासी ज्योति, जिसके खिलाफ 2016 और 2024 के बीच एनडीपीएस अधिनियम के सात पूर्व मामले दर्ज है, कई गिरफ्तारियों के बावजूद नशीले पदार्थों की तस्करी में उसकी संलिप्तता जारी है। उन्होंने कहा कि फिल्लौर पुलिस स्टेशन में एन.डी.पी.एस. अधिनियम की धारा 22-61-85 के तहत मामला (नंबर 44 दिनांक 26.02.2025) दर्ज किया गया है। पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त वाहन (पीबी-15-एफ-3424) भी जब्त कर लिया है।

आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेजा जा रहा है, जिससे उनकी आपूर्ति श्रृंखला और वितरण नेटवर्क के बारे में अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है। एस.एस.पी. खख ने नशीले पदार्थों की तस्करी को समाप्त करने के लिए पंजाब पुलिस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, कहा कि नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ हमारा दैनिक अभियान निरंतर जारी रहेगा।

## डिप्टी कमिश्नर एवं पुलिस कमिश्नर ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

**जालंधर (जालंधर ब्रीज).** डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल और पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने जालंधर को नशा मुक्त जिला बनाने के लिए नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने पर जोर दिया। डिप्टी कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर ने आज स्थानीय शहीद बाबू लाभ सिंह सिविल अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया, जहां उन्होंने नशा करने वालों के पुनर्वास के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि मौजूदा समय इस सेंटर में कुल 21 मरीज नशे से छुटकारा पाने के लिए इलाज करवा रहे है। इसके अलावा इस सेंटर में हर साल करीब 1000 मरीजों का इलाज किया जाता है।

डा.अग्रवाल ने बहु-आयामी रणनीति के माध्यम से नशे को जड़ से खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। डिप्टी कमिश्नर और पुलिस कमिश्नर ने समाज को नशे पर निर्भर युवाओं को रोगियों के रूप में इलाज करने और नशा मुक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी रिकवरी में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया।

# आईसीसी वनडे रैंकिंग में कोहली की टॉप-5 में एंट्री, शमी-कुलदीप को भी हुआ फायदा

फोटो-बीसीसीआई

**स्पोर्ट्स डेस्क.** आईसीसी द्वारा जारी वनडे प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग में भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का फायदा मिला है। कोहली ने फिर से टॉप-5 में एंट्री मारी है। वह 743 अंकों के साथ पांचवें पायदान पर हैं। उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ 111 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए थे, जिसमें सात चौके शामिल हैं। ये कोहली का 52वां वनडे और 82वां इंटरनेशनल शतक था।

टॉप-10 बल्लेबाजों में भारत के चार खिलाड़ी शामिल हैं। युवा ओपनर शुभमन गिल टॉप पर काबिज हैं। उनके 817 अंक हैं। कप्तान रोहित शर्मा (757) तीसरे और श्रेयस अय्यर (679) नौवें नंबर पर बरकरार हैं। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम (770) दूसरे पायदान पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 26 गेंदों में 23 रन बनाए थे। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल दो पायदान ऊपर 15वें नंबर पर आ गए हैं। भारत ने महामुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से धूल चटाई थी। भारत ने सेमीफाइनल में सीट कंफर्म कर ली है।

न्यूजीलैंड के विल यंग, ऑलराउंडर रचिन रविंद्र और इंग्लैंड के बेन डकेट को शतक का लाभ मिला है। जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में मोहम्मद शमी 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 599 अंक हैं। शमी ने बांग्लादेश के खिलाफ 53 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ कोई विकेट नहीं मिला। कुलदीप बांग्लादेश के सामने खाली हाथ रहे लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 40 रन देकर तीन शिकार किए। वह अब 656 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में कुलदीप यादव एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

## पुलिस ने निलंबित आप विधायकों को संसद जाने से रोका, आतिशी ने की निंदा

**नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज).** दिल्ली विधानसभा से निलंबित आम आदमी पार्टी के विधायकों ने आरोप लगाया है कि पुलिस

ने उन्हें संसद में घुसने से रोक दिया है। विधायकों ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें विधानसभा परिसर में घुसने से रोकने के लिए एंट्री रोड पर बैरिकेड्स लगा दिए थे। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद आप विधायक वहीं बैठ गए और विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने हाथों में 'जय भीम' की तख्तियां भी पकड़ी हुई थीं। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने इस कदम की निंदा की। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि पार्टी ने 'तानाशाही' को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। आतिशी ने कहा कि पुलिस अधिकारी बता रहे हैं कि 'आप' विधायकों को दिल्ली विधानसभा परिसर में जाने से रोक दिया गया है। वे कह रहे हैं कि उनके पास स्पीकर से आदेश आए हैं कि 'आप' के विधायकों को गेट पर ही रोक लिया जाए। देश के पूरे संसदीय इतिहास में किसी भी विधानसभा परिसर से या संसद के परिसर से एक चुने हुए विधायक को परिसर में प्रवेश करने पर रोका गया हो, ऐसा कभी नहीं हुआ।

आतिशी ने आगे कहा कि यह गैर लोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक है। आज तक देश के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.